मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मो: 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com

आपके खून-पसीने की कमाई कहीं फँस गयी है

वट यक्षिणी यंत्र का एक सरलतम उपाय मुझे पूर्व जन्मों के संस्कार वश एक संत कृपा से प्राप्त हुआ था। उन महापुरुष जी का नाम, पता आदि न लिखने-बताने को मैं बचनवद्ध हूँ। यदि किसी वट वृक्ष के नीचे पूजा करना संभव हो तो इस उपाय को अवश्य अपनायें। उधार में फंसे हुए पैसों को वापस दिलवाने में यह उपाय बहुत ही सफल सिद्ध हुआ है। इसका एक विकल्प इसके निर्माण की कठिनाई को दूर करने का यह हो सकता है कि आप इसकी रचना अपने निवास पर कर लें और पूजा-अर्चना के लिए इसे किसी निर्जन स्थल पर बने सघन वट वृक्ष के नीचे ले जाएं।

सितंबर-अक्टूबर मास में हर सिंगार के फूल मिल जाते हैं। इन मासों में किसी भी रात्री से पूर्व चार इंच वर्ग का एक भोज पत्र-रक्त चंदन तथा थोड़े से हर सिंगार के पुष्प ले लें।

रात्री में लगभग 11 बजे के बाद निम्न मंत्र का लगभग 108 बार जप करते हुए चंदन घोटने के तरह अनामिका उंगली से चंदन तथा पुष्प गंगाजल के छींटे दे कर 108 बार घोट लें। संख्या अधिक हो जाए तो कोई आपत्ति नहीं है। जिस वृक्ष के नीचे बैठ कर आप ये घोट रहे हैं उस पर जमी हुई ओस यदि गंगाजल की तरह उपयोग की जाए तो यह अधिक प्रभावशाली सिद्ध होता है।

जप मंत्र है-

'एह्योहि यक्षि यक्षि महायक्षि वट वृक्ष निवासिनी शीघ्रं मे सर्व सौख्यं कुरु करु स्वाहा।'

वट वृक्ष की लकड़ी की कलम तथा उक्त इस प्रकार से अभिमंत्रित घोल की स्याही से भोज पत्र पर वट यक्षिणी यंत्र चित्रानुसार अंकित करें।

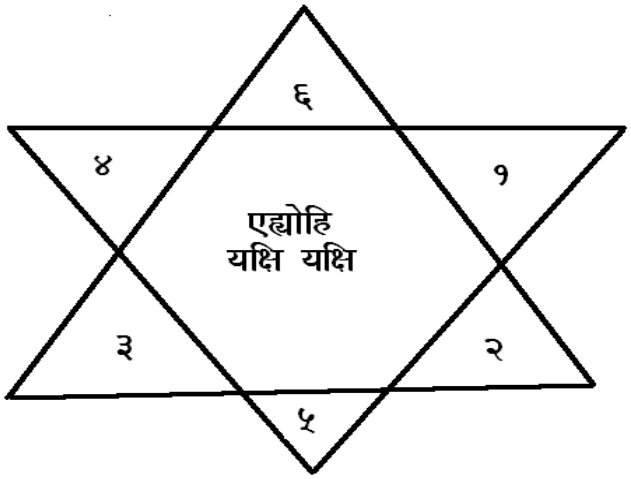

यंत्र निर्माण काल में निरंतर मंत्र जप करते रहें।

यंत्र को अच्छी तरह से सूख जाने दें। तदंतर में यथा समय और श्रद्धा से यंत्र की पूजा-अर्चना करें। यंत्र में अंकित 1, 2, 5, 3, 4, 6 अंकों पर एक-एक हर सिंगार का पुष्प चढाएं। इसी क्रम में अपनी अनामिका उंगली क्रमशः रखते हुए एक-एक अंक पर 9-9 बार निम्न मंत्र जप करें।

1. **ॐ कामदायै नमः**
2. **ॐ मानदायै नमः**
3. **ॐ नक्तायै नमः**
4. **ॐ मधुरायै नमः**
5. **ॐ मधुराननायै नमः**
6. **ॐ नर्मदायै नमः**
7. **ॐ भोगदायै नमः**
8. **ॐ नन्दायै नमः**
9. **ॐ प्राणदायै नमः**

9-9 के जप के साथ आपके 54 मंत्र पूर्ण हो जायेंगे। इसके बाद 11 माला निम्न मंत्र की जप करें।

"ॐ मनोहराययक्षिणीयोगपीठाय नमः"

तदंतर में यथा श्रद्धा और समय यंत्र की नित्य पूजा-अर्चना अवश्य करते रहें। कभी किसी धनदायक प्रयोजन से घर से निकलना हो तो यंत्र पर अंकित अंकों में अनामिका उंगली रखते हुए उक्त 9 नाम उपरोक्त की भांति जप करके यंत्र को साथ ले जाया करें। मां आपकी अवश्य सहायता करेंगी।

मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com